I–PRE BOARD EXAMINATION

HINDI

(Maximum Marks: 80)

(Time allowed: 3 hours)

*Candidates are allowed an additional **15 minutes** for only reading the paper.*

*They must **NOT** start writing during this time.*

*Answer questions **1, 2** and **3** in **Section-A** and **four** questions from **Section -B***

*on any **three** out of **four** prescribed textbooks.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION - A

LANGUAGE [40 Marks]

Question 1

Write a composition in approximately 400 words in Hindi on any one of the topics given below : [15]

किसी एक विषय पर हिन्दी में निबन्ध लिखिए, जो 400 शब्दों से कम न हो :–

(i) एक बार हवाई यात्रा के दौरान आपका सूटकेस किसी के साथ बदल गया। आपने अपने सूटकेस को वापस पाने के लिए क्या किया ? आपको किन–किन परेशानियों का सामना करना पड़ा ? इसका वर्णन कीजिए।

(ii) 'स्वच्छता अभियान में सरकारी तंत्र की अपेक्षा नागरिकों की जागरूकता अधिक प्रभावपूर्ण मानी जाती है जनता के सहयोग से ही देश स्वच्छ, सुन्दर बन सकता है।'–स्पष्ट कीजिए।

(iii) 'तकनीकी विकास ने मानव को सुविधाओं का दास बना दिया है'–इस विषय पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

(iv) निरंतर अभ्यास करने से इच्छित कार्य में सफलता मिलती है–इस कथन को अपने जीवन के किसी निजी अनुभव द्वारा स्पष्ट कीजिए।

(v) ''जो व्यक्ति अपनी आकांक्षाओं का तीर जितना ऊँचा चलाता है, वह उतना ही सफल होता है''– इस कथन को किसी सफल व्यक्ति के जीवन का उदाहरण देते हुए लिखिए कि आप अपने जीवन में इस कथन की सार्थकता कैसे सिद्ध करेंगे ?

(vi) निम्नलिखित में से किसी एक पर मौलिक कहानी लिखिए–

(a) जैसे को तैसा।

(b) ". . . . . और मैं अपनी मूर्खता पर हँस पड़ा/पड़ी।" उक्त वाक्य से अंत करते हुए कहानी लिखिए।

Question 2

Read the passage given below carefully and answer the questions that follow, using your own words in Hindi :

नीचे दिए गए गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और अपने शब्दों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में दीजिए :–

एक राजा का दरबार लगा हुआ था। सर्दियों के दिन थे, इसलिए राजा का दरबार खुले स्थान पर लगा था। पूरी आम सभा सुबह की धूप में बैठी थी। महाराज ने सिंहासन के सामने एक मेज ड़लवा रखी थी। राजा के परिवार के सभी सदस्य, पंडित जन, दीवान आदि सभी दरबार में बैठे थे।

उसी समय एक व्यक्ति आया और राजा से दरबार में मिलने की आज्ञा माँगी। प्रवेश मिल गया, तो उसने कहा, 'मेरे पास दो वस्तुएँ हैं, बिल्कुल एक जैसी लेकिन एक नकली है और एक असली। मैं हर राज्य के राजा के पास जाता हूँ और उन्हें परखने का आग्रह करता हूँ, लेकिन कोई परख नहीं पाता, सब हार जाते हैं और मैं विजेता बनकर घूम रहा हूँ। अब आपके नगर में आया हूँ।"

राजा ने उसे दोनों वस्तुओं को पेश करने का आदेश दिया, तो उसने दोनों वस्तुएँ मेज पर रख दी। बिल्कुल समान आकार, समान रूप–रंग, समान प्रकाश, सब कुछ नख–शिख समान। राजा ने कहा, "ये दोनों वस्तुएँ एक है", तो उस व्यक्ति ने कहा, "हाँ, दिखाई तो एक सी देती हैं लेकिन हैं भिन्न। इनमें से एक है बहुत कीमती हीरा और एक है काँच का टुकड़ा, लेकिन रूप रंग सब एक है। कोई आज तक परख नहीं पाया कि कौन–सा हीरा है और कौन सा काँच। कोई परख कर बताए कि ये हीरा है या काँच। अगर परख खरी निकली तो मैं हार जाऊँगा और यह कीमती हीरा मैं आपके राज्य की तिजोरी में जमा करवा दूँगा, यदि कोई न पहचान पाया तो इस हीरे की जो कीमत है उतनी धनराशि आपको मुझे देनी होगी। इसी प्रकार मैं कई राज्यों से जीतता आया हूँ।"

राजा ने कई बार उन दोनों वस्तुओं को गौर से देखकर परखने की कोशिश की और अंत में हार मानते हुए कहा– "मैं तो नहीं परख सकूँगा।"

दीवान बोले– "हम भी हिम्मत नहीं कर सकते, क्योंकि दोनों बिल्कुल समान हैं।"

सब हारे, कोई हिम्मत नहीं जुटा पाया। हारने पर पैसे देने पड़ेंगे, इसका किसी को कोई मलाल नहीं था क्योंकि राजा के पास बहुत धन था लेकिन राजा की प्रतिष्ठा गिर जायेगी, इसका सबको भय था।

कोई व्यक्ति पहचान नहीं पाया इसका सबको अफसोस था। आखिरकार पीछे थोड़ी हलचल हुई। एक अंधा आदमी हाथ में लाठी लेकर उठा। उसने कहा, ''मुझे महाराज के पास ले चलो, मैंने सब बातें सुनी हैं और यह भी सुना कि कोई परख नहीं पा रहा है। एक अवसर मुझे भी दो।'' एक आदमी के सहारे वह राजा के पास पहुँचा, उसने राजा से प्रार्थना की ''मैं तो जन्म से अंधा हूँ फिर भी मुझे एक अवसर दिया जाए जिससे मैं भी एक बार अपनी बुद्धि को परखूँ और हो सकता है कि सफल भी हो जाऊँ और यदि सफल न भी हुआ, तो वैसे भी आप तो हारे ही हैं।''

राजा को लगा कि इसे अवसर देने में कोई हर्ज नहीं है और राजा ने उसे अनुमति दे दी। उस अंधे आदमी के हाथ में दोनों वस्तुएँ दे दी गयीं और पूछा गया कि इनमें कौन–सा हीरा है और कौन–सा काँच ?

उस आदमी ने एक मिनट में कह दिया कि यह हीरा है और यह काँच। जो व्यक्ति इतने राज्यों को जीतकर आया था, वह नतमस्तक हो गया और बोला, ''सही है, आपने पहचान लिया, आप धन्य हैं! अपने वचन के मुताबिक यह हीरा मैं आपके राज्य की तिजोरी में दे रहा हूँ।'' सब बहुत खुश हो गये और जो व्यक्ति आया था वह भी बहुत प्रसन्न हुआ कि कम से कम कोई तो मिला असली और नकली को परखने वाला। राजा और अन्य सभी लोगों ने उस अंधे व्यक्ति से एक ही जिज्ञासा जताई कि, ''तुमने यह कैसे पहचाना कि यह हीरा है और वह काँच ?''

उस अंधे ने कहा ''सीधी सी बात है राजन, धूप में हम सब बैठे हैं, मैंने दोनों को छुआ। जो ठंडा रहा वह हीरा, जो गरम हो गया वह काँच।

यही बात हमारे जीवन में भी लागू होती है, जो व्यक्ति बात–बात में अपना आपा खो देता है, गरम हो जाता है और छोटी से छोटी समस्याओं में उलझ जाता है वह काँच जैसा है और जो विपरीत परिस्थितियों में भी सुदृढ़ रहता है और बुद्धि से काम लेता है वही सच्चा हीरा है।

i) राजा का दरबार कहाँ और क्यों लगा था ? वहाँ कौन–कौन उपस्थित था ? तभी वहाँ कौन, क्या लेकर आया ? [3]

ii) उस व्यक्ति ने उन वस्तुओं की क्या विशेषता बताई तथा राजा के सामने क्या शर्त रखी ? [3]

iii) कोई भी उन वस्तुओं को पहचान क्यों नहीं सका ? उन्हें किस बात का डर था ? [3]

iv) अन्त में उन वस्तुओं की पहचान एक अंधे व्यक्ति ने की।

a) सब लोगों की इस पर क्या प्रतिक्रिया थी ? [1]

i) राजा क्रोधित हो गया।

ii) सब प्रसन्न हो गए।

iii) राजा ने उसे दरबार से निकल जाने को कहा।

iv) राजा भावुक हो गया।

b) 'मैं तो <u>जन्म से अंधा</u> हूँ।' रेखांकित शब्द के लिए एक शब्द लिखिए– [1]

i) आमरण

ii) जन्मान्ध

iii) आजन्म

iv) अंधभक्त

c) 'हम भी हिम्मत नहीं कर सकते क्योंकि दोनों बिल्कुल समान हैं' – यह कथन है– [1]

i) दीवान का।

ii) राजा का।

iii) मंत्री का।

iv) सिपाही का।

v) राजा को लगा कि इसे अवसर देने में कोई हर्ज नहीं है।

a) राजा ने किसे अनुमति दे दी। [1]

i) एक अंधे को।

ii) राज्य मंत्री को।

iii) सेनापति को।

iv) दीवान को

b) उस आदमी ने काँच और हीरे में पहचान करने में कितना वक्त लगाया– [1]

i) एक मिनट

ii) पाँच मिनट

iii) एक घंटा

iv) आधा घंटा

c) दरबार में आने वाले व्यक्ति के पास क्या वस्तुएँ थीं– [1]

i) हीरा और मोती

ii) सोना–हीरा

iii) मोती और माणिक

iv) काँच और हीरा

uestion 3

(A) Correct the following sentences and rewrite as per the instructions :

निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार लिखिए–

i) निम्न वाक्य को शुद्ध कीजिए :– [1]

इस समस्या की औषधि उसके पास है।

ii) रिक्त स्थान में सही शब्द भरिए :– [1]

फूलों का .... देखते ही बनता है।

(iii) निम्नलिखित वाक्यों में से शुद्ध वाक्य का चयन कीजिए– [1]

(a) कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें।

(b) मुझे केवल दस रुपए मिले।

(c) क्या आप आ सकोगे ?

(d) हमारे बैल इधर–उधर भटकते हुए पड़ोसियों के खेत में जा पहुँचे।

(iv) निम्नलिखित वाक्यों में से अशुद्ध वाक्य का चयन कीजिए :– [1]

(a) कौन लड़का आ रहा है ?

(b) उसकी दो बहनें हैं।

(c) तुम्हें झूठ नहीं बोलना चाहिए।

(d) रमेश की घड़ी टूट गई।

(v) निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित शब्द के लिए सही शब्द का चयन कीजिए :– [1]

बुरे से बुरा आदमी भी अच्छे व्यवहार की इच्छा रखता है।

(a) उम्मीद

(b) आशा

(c) आकांक्षा

(d) अभिलाषा

(B) Use the Idioms in the sentences as per the instructions given :

निर्देशानुसार मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(i) निम्नलिखित मुहावरे से वाक्य बनाइए– [1]

घी के दिए जलाना।

(ii) निम्नलिखित मुहावरे को शुद्ध कीजिए– [1]

घाट–घाट का पानी भरना।

(iii) निम्नलिखित वाक्य में रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए– [1]

रोहन की पड़ोसन हमेशा जरा सी बात पर .... बना देती है।

(a) बवाल बनाना।

(b) रंग जमाना।

(c) मुँह की खाना।

(d) तिल का ताड़ बनाना।

(iv) निम्नलिखित वाक्य के लिए एक सटीक मुहावरे का चयन कीजिए :– [1]

हिमगिरि एक्सप्रेस बहुत तेज़ रफ्तार से चलती है–

(a) हवा हवाई होना।

(b) हवा के घोड़े पर सवार होना।

(c) हवा से बातें करना।

(d) सिर पर भूत सवार होना।

(v) निम्नलिखित मुहावरे के सही अर्थ का चयन कीजिए :– [1]

पानी–पानी हो जाना।

(a) चारों ओर पानी भर जाना।

(b) पानी में भीग जाना।

(c) अंधाधुंध खर्च करना।

(d) बहुत शर्मिन्दा होना।

SECTION - B

LITERATURE [40 Marks]

(Answer four questions from this section on any three books.)

गद्य संकलन

Question 4

उसने कहा–'वही तो, न जाने क्यों मैं उसी दिन नहीं मरा, जिस दिन मेरे इतने वीर साथी कटार से लिपटकर इसी गजनी की गोद में सोने चले गये।'

(i) उक्त कथन किसके लिए कहा गया है ? [1]

(ii) सुल्तान ने क्या किया था ? [2]

(iii) कौन मरना चाहता था? उसे किसने रोका ? [2]

(iv) फिरोजा की गुलामी कैसे दूर होगी ? [5]

Question 5 [10]

"संस्कृति का स्वभाव है कि वह आदान–प्रदान से बढ़ती है।" इस कथन के आलोक में आदान–प्रदान से संस्कृति पर पड़ने वाले प्रभाव का वर्णन कीजिए।

Question 6

'गौरी' के चरित्र का ताना–बाना सहज, मानवीयता और उच्च आदर्श के द्वन्द्व से बुना गया है। इस कथन के आधार पर कहानी 'गौरी' की समीक्षा कीजिए। [10]

काव्य मंजरी

Question 7

दूलह श्री रघुनाथ बने दुलही सिय सुंदर मंदिर माहीं।
गावति गीत सबै मिलि सुन्दर बेद जुवा जुरि विप्र पढ़ाहीं।।
राम को रूप निहारति जानकी, कंगन के नग की परछाहीं।
यातें सबै सुधि भूलि गई कर टेकि रही पल टारत नाहीं।।

(i) राम का रूप कौन और कैसे निहार रहा है ? [1]

(ii) दूल्हा और दुल्हन कौन बने ? वेद कौन पढ़ रहे हैं ? [2]

(iii) सीताजी सब सुधि क्यों भूल गई ? [2]

(iv) प्रस्तुत पंक्तियों का अर्थ लिखिए। [5]

Question 8 [10]

अंधकार का निवारण दिया जलाने से होता है अँधेरे को कोसने से नहीं।'.......... 'अंधेरे का दीपक' कविता के आधार पर कवि द्वारा निरूपित संदेश को स्पष्ट कीजिए।

Question 9 [10]

सूरदास की भक्ति भावना का परिचय देते हुए 'बाल–लीला' का उदाहरण सहित वर्णन कीजिए।

सारा आकाश (उपन्यास)

Question 10

"देखो कोई, उस काले सिरवाली के लिए भाई पर हाथ उठा रहा है। अरे, मैं पूछती हूँ तुझे शरम नहीं आ रही जो तू उसे शरम की सीख दे रहा है।"

(i) यहाँ कौन किसको काले सिरवाली कह रहा है ? [1]

(ii) उक्त कथन में 'तुझे शरम नहीं आ रही ....' पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [2]

(iii) यहाँ किस भाई की बात हो रही है क्यों ? [2]

(iv) अम्माजी का समर और प्रभा के प्रति कैसा व्यवहार है ? [5]

Question 11 [10]

"बाबूजी का चरित्र परंपरागत संयुक्त परिवार के अभावग्रस्त गृहस्वामी का स्मरण कराता है।" कथन की पुष्टि कीजिए।

Question 12 [10]

समर के विवाह के बाद कौन–सा कठोर यथार्थ सामने आ गया था ? मुन्नी सबसे अभागिन क्यों है ?

#####